सत्रीय कार्य भेजने की अंतिम तिथि 15 मई, 2015

दूर शिक्षा निदेशालय

सत्र 2014-15

एम. एच. डी.

एम. ए. हिंदी

एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्य

एम.एच.डी.	2	–	आधुनिक हिंदी काव्य
एम. एच. डी.	3	–	उपन्यास एवं कहानी
एम.एच.डी.	4	–	नाटक और अन्य गद्य विधाएँ
एम. एच.डी.	6	–	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित)

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय
पोस्ट - हिंदी विश्वद्यालय, गांधी हिल्स,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वद्यालय
वर्धा -442001 (महाराष्ट्र)
फोन/ फैक्स नं.-07152-247146
वेब साईट: **www.hindivishwa.org**

सत्रीय कार्य भेजने की अंतिम तिथि 15 मई, 2015

सत्रीय कार्य 2014-15

Assignment 2014-15

पाठ्यक्रम कोड - **एम.एच.डी**

प्रिय छात्र – छात्राओं

यह एम.ए. हिंदी प्रथम वर्ष के सत्रीय कार्यो की पुस्तिका है। इसमें एम.एच.डी. - 02, 03, 04 और 06 पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य है। प्रत्येक सत्रीय कार्य 30 अंकों का है। प्रत्येक सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे गए हैं।

एम.ए. कार्यक्रम में अध्ययन के लिए आपको कई खंडों में पाठ्यसामग्री भेजी गई है, साथ ही पाठ्यक्रमों में अतिरिक्त अध्ययन के लिए 'विवेचना' नाम से आलोचनात्मक लेखों के संग्रह भेजे गए हैं। पाठ्यक्रम 2,3 तथा 4 में 'विविधा' नाम से मूल साहित्यिक कृतियों का संकलन किया गया है। पाठ्यक्रमों में शामिल नाटक और उपन्यासों को प्राप्त करने की व्यवस्था आपको स्वयं करनी होगी। आपसे अपेक्षा की जाती है कि सत्रीय कार्य करने से पहले इन सभी कृतियों को पढ़ लें।

एम.ए. स्तर पर परीक्षा में पूछे जाने वाले सवाल केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं होते । अतः छात्रों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे उपलब्ध कराई गई सामग्री के अतिरिक्त पुस्तकालयों से अन्य पुस्तकों का भी अध्ययन करें, जिससे ज्ञान में वृध्दि हो।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री को कितना पढ़ा-समझा है और उसका विवेचन-विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता कितनी अर्जित की है। सत्रीय कार्यो का उद्देश्य यह भी है कि पाठ्य सामग्री के अध्ययन के पश्चात् आप उसके संबंध में स्वयं अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकें और उन्हें अपने शब्दों में लिख सकें। इसका तात्पर्य यह है कि विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री को आप पुनर्प्रस्तुत न करें। बल्कि पूछे गए प्रश्नों का उत्तर सोच-विचारकर अपने शब्दों में लिखें आपके उत्तर में आपका अध्ययन, आलोचनात्मक दृष्टि, रचनाओं के बारे में आपकी अपनी समझ और भाषा पर आपका अधिकार-व्यक्त होना चाहिए। आपके सत्रीय कार्य का मूल्यांकन करते हुए परीक्षक इन सभी बातों को ध्यान में रखेंगे।

सत्रीय कार्य भेजने का पता :

निदेशक, दूर शिक्षा निदेशालय
पोस्ट - हिंदी विश्वद्यालय, गांधी हिल्स,
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वद्यालय
वर्धा -442005 (महाराष्ट्र)
फोन/ फैक्स नं.-07152-247146
वेब साईटः **www.hindivishwa.org**

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए।

1. अपनी उत्तर-पुस्तिका के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।
2. अपनी उत्तर-पुस्तिकाओं के बायीं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, पाठ्यक्रम कोड लिखिए और उस अध्ययन केंद्र (यदि लागू हों) का नाम/कोड लिखिए, जिससे आप संबद्ध है।
   उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

नामांकन/अनुक्रमांक : ....

नाम : ....

पता : ....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ....

अध्ययन केंद्र का नाम/कोड (यदि लागू हो) : ....

दिनांक : ....

3. उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज का इस्तेमाल करें और उन कागजों को अच्छी तरह से बाँध लें।
4. प्रत्येक उत्तर से पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
5. अपनी लिखावट में उत्तर दें।
6. सत्रीय कार्य जमा करने की **अंतिम तिथि 15 मई, 2015 है।**

प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करें :

1. प्रश्नों में जो पूछा गया है, उसको अच्छी तरह समझ कर उत्तर लिखें। जो नहीं पूछा गया है, उसे न लिखें। जितना पूछा गया है, उतना ही लिखें।
2. व्याख्या से संबंधित काव्यांशों में, संदर्भ, प्रसंग, व्याख्या और भाषा, शैली या अन्य किसी विशेष बात का उल्लेख करें। इन सभी पहलुओं के लिए अंक निर्धारित है।
3. आपका उत्तर सुसंगत, सुबोधगम्य और स्पष्ट हो।
4. वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच क्रमबद्धता हो।
5. आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से वर्तनी और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।
6. उत्तर साफ और सुंदर अक्षरों में लिखें तथा जिन बातों पर बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दें।
7. अपने पास सत्रीय कार्य के उत्तर की प्रति अवश्य रखें।

शुभकामनाओं के साथ

अमरेन्द्र कुमार शर्मा
(पाठ्यक्रम संयोजक)

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

आधुनिक हिंदी-काव्य (एम.एच.डी.-२)

एम.ए. हिंदी का यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। आधुनिक काव्य विविधा में आपने 14 कवियों की कविताएँ, उनका परिचय और इन कविताओं पर आधारित 24 इकाईयों का अध्ययन किया है। इसके अलावा हिंदी काव्य विवेचना नामक पुस्तक में इन कविताओं पर कुछ आलोचनात्मक लेख भी आपने पढ़े हैं। एम.ए. स्तर पर हमारी आपसे अपेक्षा है कि आप विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त पाठ्य सामग्री के अलावा अन्य संबंधित पुस्तकों और पत्रिकाओं का भी अध्ययन करेंगे।

सत्रीय कार्य का एक और उद्देश्य सत्रांत परीक्षा के लिए आपको तैयार करना हैं। सत्रांत परीक्षा में जो सवाल आपसे पूछे जाएँगे उनका ढाँचा सत्रीय कार्यो में पूछे गए सवालों जैसा ही होगा, इसलिए सत्रीय कार्यो को आप गंभीरता से लें।

- पाठ्यक्रम में शामिल कविताओं में से कुछ काव्यांशों की आपको व्याख्या करनी होगी। यह प्रश्न अनिवार्य होगा और तीन या चार काव्यांशों की आपको संदर्भ-सहित व्याख्या करनी होगी।
- दूसरे प्रकार के प्रश्न निबंधात्मक या विवेचनात्मक होंगे जिसमें पाठ्यक्रम में शामिल कविताओं, काव्य-वस्तु, शिल्प, महत्त्व, आलोचना आदि से संबंधित हो सकते हैं।

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड - एम. एच.डी. - 2

सत्रीय कार्य कोड-एम.एच.डी.02/2014-15

कुल अंक 30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय सत्रीय कार्य ।लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो काव्यांशों की (प्रत्येक की 400 शब्दों में) संदर्भ सहित व्याख्या प्रस्तुत करें। 10

(क) तुम हो महान , तुम सदा हो महान ,

है नश्वर यह दीन भाव, कायरता ,कामपरता,

ब्रह्म हो तुम,

पद-रज-भर भी है नहीं

पूरा यह विश्व – भर –

जागो फिर एक बार .

(ख) मैं न रुक पाता कहीं ,

फिर लौट आता हूँ पिपासित

शून्य से साकार सुषमा के भुवन में

युद्ध से भागे हुए उस वेदना-विह्वल युवक सा

जो कहीं रुकता नहीं

बेचैन जा गिरता अकुंठित

तीर-सा सीधे प्रिया की गोद में .

(ग) वे कह रहे हैं -

दुनिया न कचरे का ढेर कि जिस पर

दानों को चुगने चढ़ा हुआ कोई भी कुक्कुट

कोई भी मुर्गा

यदि बांग दे उठे जोरदार

बन जाये मसीहा .

(घ) वह हँसते हुए बोला –

बाबूजी . सच कहूँ- मेरी निगाह में

न कोई छोटा है

न कोई बड़ा है

मेरे लिए , हर आदमी एक जोड़ी जूता है

जो मेरे सामने

मरम्मत के लिए खड़ा है .

2 .कामायनी के आधार पर जयशंकर प्रसाद के काव्य की मिथकीय चेतना को स्पष्ट करें . 1 0

लघु उत्तरीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3 . सुमित्रानंदन पंत की काव्य-यात्रा में 'भारत माता' कविता के महत्व को रेखांकित करें। 0 3

4 . सच्चिदानंद हीरानंद वात्सयायन 'अज्ञेय' की कविता 'यह दीप अकेला' का मूल्यांकन करें। 0 3

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5 . (क) रघुवीर सहाय और उनकी कविता रामदास 0 2

(ख) रोटी और संसद 0 2

सत्रीय कार्य भेजने की अंतिम तिथि 15 मई, 2015

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

उपन्यास एवं कहानी (एम.एच.डी.-3)

एम.ए. हिंदी का यह बीज पाठ्यक्रम हैं। इसमें आपने उपन्यास और कहानियों का अध्ययन किया है। इस पाठ्यक्रम में पाँच उपन्यास और चौदह कहानियों पर कुल 27 इकाईयाँ हैं। इनके अतिरिक्त आपकों 'हिंदी कहानी विविधा' और 'हिंदी कहानी विवेचना' के अंतर्गत पंद्रह कहानियाँ और आलोचनात्मक लेख भी दिए गए हैं।

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड - एम. एच.डी. - 3
सत्रीय कार्य कोड-एम.एच.डी. 3/2014-15
कुल अंक 30

सभी कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य । लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1. मैला आँचल के गाँधीवादी पात्रों के चरित्र पर प्रकाश डालें। 10

2. गोदान में किसानों की दशा का संदर्भ लेते हुए वर्तमान में किसानों के जीवन की व्याख्या करें।

लघु उत्तरीय सत्रीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3. बाणभट्ट की आत्मकथा की पौराणिकता पर अपने विचार प्रस्तुत करें. 03

4. ठाकुर का कुआँ के माध्यम से सामाजिक संरचना के यथार्थ की समीक्षा करें। 03

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) रोज का मूलस्वर 02

(ख) हिंदी कहानी का विकास 02

सत्रीय कार्य भेजने की अंतिम तिथि 15 मई, 2015

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

नाटक और अन्य गद्य विधाएँ (एम.एच.डी. ४)

एम.ए. हिंदी से संबंधित यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। इसमें आपने नाटकों और अन्य गद्य विधाओं का अध्ययन किया है। चार नाटक और चौदह गद्य रचनाओं पर कुल 26 इकाईयाँ हैं। इनके अतिरिक्त आपको 'हिंदी गद्य विवेचना' के अंतर्गत कई आलोचनात्मक लेख भी दिए गए हैं। आशा है, आपने इन सभी का अध्ययन कर लिया होगा। इनके अध्ययन से आपको सत्रीय कार्य करने में मदद मिलेगी।

सत्रीय कार्य को गंभीरता से लें । इनमें आपसे तीन तरह के प्रश्न पूछे जाएंगे।

- आपको पाठ्यक्रम में शामिल रचनाओं मे से कुछ गद्यांशों की व्याख्या करनी होगी। यह प्रश्न अनिवार्य होगा।
- इसमें कुछ निबंधात्मक प्रश्न होंगे जिसमें पाठ्यक्रम में शामिल रचनाओं पर आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। आलोचनात्मक प्रश्न रचना की अंतर्वस्तु, प्रतिपाद्य, चरित्र-चित्रण, भाषा, शिल्प, महत्व और अन्य रचनाओं से तुलना से संबंधित हो सकते हैं। नाटक से संबंधित सवालों में रंगमंच प्रस्तुति और अभिनेयता के बारे में भी सवाल होंगे।
- आपसे विभिन्न विषयों पर टिप्पणियाँ करने के लिए भी दी जाएँगी, जो विवरणात्मक और आलोचनात्मक दोनों क्षेत्रों से हो सकती है।

सत्रीय कार्य भेजने की अंतिम तिथि 15 मई, 2015

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड - एम. एच.डी. - 4

सत्रीय कार्य कोड-एम.एच.डी. 4/2014-15

कुल अंक 30

सभी सत्रीय कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य । लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गद्यांशों की (प्रत्येक की 400 शब्दों में) संदर्भ सहित व्याख्या प्रस्तुत करें।

(क) मैं खुद भी मजदूर हूँ 10
मैं खुद भी एक किसान हूँ।
मेरा पूरा जिस्म दर्द की तस्वीर है।
मेरी रग-रग में नफरत की आग भरी है।
और तुम कितनी बेशर्मी से कहते हो कि
मेरी भूख एक भ्रम और मेरा नंगापन एक ख्वाब।

(ख) प्रत्येक परमाणु के मिलने मे एक सम है,
प्रत्येक हरी-हरी पत्ती के हिलाने में एक लय है।
मनुष्य ने अपना स्वर विकृत कर रखा है।
इसी से उसका स्वर विश्ववीणा में शीघ्र नहीं मिलता।
पांडित्य के मारे जब देखो,जहाँ देखो, बेताल-बेसुर बोलेगा।
पक्षियों को देखो, उनकी 'चहचह' 'कलकल','छलछल' में,काकुली में- रागिनी है।

(ग) नाम इसलिए बड़ा नहीं है कि वह नाम है . वह इसलिए बड़ा होता है कि उसे सामाजिक स्वीकृति मिली होती है . रूप व्यक्ति सत्य है , नाम समाज सत्य . नाम उस पद को कहते हैं जिस पर समाज की मुहर लगी होती है .

2. अंधेर नगरी के नाट्य शिल्प को स्पष्ट करें . 10

लघु उत्तरीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3 आत्मकथा में प्रमाणिकता के महत्त्व के संदर्भ से विचार करें 03

4. नुक्कड़ नाटकों की संप्रेषणीयता और उसकी प्रासंगिकता को स्पष्ट करें. 03

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) अँधा-युग 02

(ख) कलम का सिपाही 02

सत्रीय कार्य भेजने की अंतिम तिथि 15 मई, 2015

एम.ए. हिंदी पाठ्यक्रम

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास (एम.एच.डी. 6)

एम.ए. हिंदी का यह अनिवार्य पाठ्यक्रम है। ' हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास' में आपने आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक की विभिन्न काव्य प्रवृत्तियों, हिंदी गद्य साहित्य एवं भाषा के विकास का ऐतिहासिक दृष्टि से अध्ययन किया है।

सत्रीय कार्य का एक और उद्देश्य है-सत्रांत परीक्षा के लिए आपको तैयार करना। सत्रीय कार्य को आप गंभीरता से लें। कुछ प्रश्न निबंधात्मक या विवेचनात्मक होंगे जो पाठ्यक्रम में शामिल हिंदी काव्य प्रवृत्तियों, गद्य साहित्य तथा हिंदी भाषा के ऐतिहासिक विकास से संबंधित हो सकते हैं। दूसरे प्रकार के प्रश्नों में आपको विभिन्न विषयों पर विवरणात्मक/आलोचनात्मक टिप्पणियाँ लिखनी होंगी।

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड - एम. एच.डी. - 6
सत्रीय कार्य कोड-एम.एच.डी. 6/2014-15
कुल अंक - 30

सभी कार्य पूरा करें।

दीर्घ उत्तरीय कार्य । लगभग 800 शब्दों में उत्तर दें ।

1. भक्तिकाल की पृष्ठभूमि की रुपरेखा को स्पष्ट करें । 10
2. भारतीय आर्य भाषा की विकास परम्परा का परिचय दीजिए। 10

लघु उत्तरीय कार्य । लगभग 300 शब्दों में उत्तर दें ।

3. हिंदी नाटक में प्रगतिशील मूल्यों की पहचान करें। 03

4. समकालीन कविता के विषय-वस्तु को स्पष्ट करें। 03

टिप्पणी लिखें । प्रत्येक विषय पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखें।

5. (क) राम भक्ति काव्य 02

(ख) सूफी काव्य परंपरा 02